जयपुर-सोडाला। सेंट्रल मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सुरेश प्रभु को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. स्नेहा तथा ब्र.कु. सन्नू।

दिल्ली-लोधी रोड। एन.टी.पी.सी. लि. भारत सरकार के युवा प्रशिक्षुओं को 'स्वास्थ्य पर तनाव का प्रभाव' विषयक कार्यशाला कराने के पश्चात् समूह चित्र में प्रशिक्षुओं के साथ ब्र.कु. पीयूष।

हरदोई-उ.प्र.। आध्यात्मिक कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए साण्डी के विधायक प्रभाष कुमार, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रोशनी, रामाधार दीक्षित, एस.एन. यादव, ब्र.कु. सतीश तथा अन्य।

कासगंज-उ.प्र.। सेवाकेन्द्र के मार्ग का नाम 'ब्रह्माकुमारी मार्ग' घोषित होने पर नाम पट्टिका का अनावरण करते हुए जिलाधिकारी आर.के. सिंह। साथ हैं ब्र.कु. सरोज।

बिलासपुर-तालापारा(छ.ग.)। नये सेवाकेन्द्र का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, सी.एम.ओ. आर.के शुक्ला, ब्र.कु. रमा तथा अन्य।

बहादुरगढ़-हरियाणा। एन.पी.गैस प्लांट में 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' विषय पर प्लांट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. उर्मिला,माउण्ट आबू। साथ हैं ब्र.कु.अंजलि तथा अन्य।

ब्रह्मा को दिया सृष्टि रचने का संकल्प

- गतांक से आगे...

चौदहवें अध्याय में बताया गया है कि प्रकृति के तीन गुणों के आधार से किस तरह मनुष्य के जीवन होते हैं। परमात्मा सतो, रजो और तमो के रहस्य को उजागर करते हैं। किस प्रकार प्रकृति से प्रत्येक व्यक्ति प्रभावित होता है। गुणातीत व्यक्ति के लक्षण तथा आचरण क्या होते हैं, उसको स्पष्ट किया है।

पहले श्लोक से चौथे श्लोक तक ज्ञान की महिमा और प्रकृति पुरुष से जगत की उत्पत्ति।

पाँचवें श्लोक से आठवें श्लोक तक सतो, रजो, तमो की अभिव्यक्ति और उन्नीसवें श्लोक से सत्ताइसवें श्लोक तक गुणातीत पुरुष का आचरण, लक्षण एवं उससे परे होने की विधि स्पष्ट की गई है।

भगवान बताते हैं कि ज्ञान के आधार पर मनुष्य मुझ जैसी दिव्य प्रकृति अर्थात् दिव्य स्वभाव को प्राप्त कर सकता है। ज्ञान के माध्यम से हम अपने स्वभाव के अंदर परिवर्तन को लाते हुए, अपनी प्रकृति को दिव्य प्रकृति बना सकते हैं।

हे अर्जुन! मेरा स्थान महातत्व है अर्थात् ब्रह्मतत्व है जिसको कहा जाता है अनंत शांति का धाम। अब ये बात बहुत स्पष्ट भगवान ने बता दी है कि मैं इस संसार के कण-कण में व्यापक नहीं हूँ। मेरा स्थान महतत्व, अनंत शांतिधाम है। उसमें मैं गर्भ धारण करता हूँ। किस प्रकार का गर्भ भगवान धारण करते हैं? इस सृष्टि को रचने का। इसलिए कहा जाता है कि भगवान को जब सृष्टि रचने का संकल्प आया तो वो जो सृष्टि रचने का संकल्प उत्पन्न हुआ ये उनके लिए गर्भ था। ये गर्भ किसको दिया? तो कहा गया कि ये संकल्प ब्रह्मा जी को दिया। ब्रह्मा जी ने संकल्प से सृष्टि का निर्माण किया। इस तरह से भगवान कहते हैं कि मैं उस अनंत शांतिधाम में निवास करता हूँ। उसमें मैं गर्भ धारण

-ब्र.कु.ऊषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

करता हूँ अर्थात् उसमें मैं सृष्टि के होने का संकल्प स्फुटित करता हूँ। फिर प्रकृति के संयोग से सब शरीरों की उत्पत्ति होती है।

प्रकृति गर्भ धारण करने वाली माता है और मैं बीज को स्थापन करने वाला पिता हूँ। इस तरह पुरुष, प्रकृति और परम पुरुष के बीच में ये खेल चलता है कि किस प्रकार परम पुरुष संकल्प को स्फुटित करता है और प्रकृति के संयोग से शरीरों की रचना करते हैं। फिर भगवान कहते हैं कि प्रकृति से उत्पन्न होने वाले सतो, रजो, तमो ये तीन गुण अविनाशी देही अर्थात् आत्मा को देह में बांधते हैं। शरीरों की उत्पत्ति हुई और आत्माओं ने उसमें प्रवेश किया। इसलिए जैसे ही शरीर तैयार होता है आत्मा कुछ समय के बाद उसमें प्रवेश करती है। जब तक शरीर तैयार नहीं होता है, तब तक आत्मा उसमें प्रवेश नहीं कर सकती है। जब उसमें प्रवेश करती है तो जिस प्रकार के गुण से वो शरीर बना है, वो सात्विक प्रकृति से, राजसी प्रकृति से बना है या तामसिक प्रकृति से बना है, वो हमें बाद में ही पता चलता है, जब वो आत्मा सबके साथ व्यवहार में आती है। - क्रमश:

मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें
आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड चैनल'

'Peace of Mind' channel
TATA Sky 1065 airtel digital TV 678 FASTWAY GTPL DEN
videocon d2h 497 RELIANCE Digital TV 640 hathway UCN DigiCable SITI

Free to Air
ABS FREE DTH
KU Band with MPEG (DVB-S/S2) Receiver
LNB Freq. - 10600/10600
Tans Freq. - 11911
Polarization - Horizontal
Symbol - 44000
22k - On
Satellite - ABS-2; 75° E

Contact
Brahma Kumaris, 2nd Flr Anand Bhavan, Shantivan, Sirohi, Abu Rd, Raj-307510
+91 9414151111
+91 8104777111
info@pmtv.in
www.pmtv.in

ख्यालों के आईने में...

जीवन एक क्रिकेट है।

जीवन एक क्रिकेट है।
शरीर के स्टेडियम पर,
धरती के विराट पिच पर
समय बॉलिंग कर रहा है।
धर्मराज एम्पायर है,
बीमारियाँ फिल्डिंग कर रही हैं।
यमराज विकेट कीपर है
और प्राण विकेट है।
जन्म लेने के बाद ये पाँचो
विकार लगे ही रहते हैं।
कुछ अक्रामक खिलाड़ी
जल्दी ही पवेलियन लौट जाते हैं।
गिल्लीयाँ उड़ने का अर्थ है
सांसों का टूट जाना।
हार्टअटैक होना दुर्घटना में
मरना रन आउट होना है।
सीमा पे मरना कैच आउट
होना कहलाता है।
पर यह डे-नाइट मैच 24 घण्टे
चलता रहता है,
इसमें हमें बंधना नहीं है,
इसमें हमें रचनात्मक
जलवे दिखाना है।
गई सांसें वो तो गई,
बची सांसों को सम्भालें।
सांसों के सीमित ओवर में हमें
सृजन का रन बनाना है,
पर पारी ऐसी खेलनी है कमल!
कि हमें कीर्तिवान बन जाना है।
सबका अपना-अपना रन रेट है।
जीवन एक क्रिकेट है।

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें...

कार्यालय- ओमशान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510, सदस्यता के लिए
सम्पर्क - M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org,
Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये, आजीवन 4500 रुपये ।
विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम से मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।